वर्ष-9//अंक-9//जून 2022
ISSN 2454–5805
₹20/-
RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

आम आदमी® पत्रिका

एक आम इंसान की सोच

आईटी स्किल और इनोवेशन ट्रस्ट नई ऊंचाई पर

» 10 जनता और सरकार का मेल-मिलाप

» 14 किसानों को 5 गुना ज्यादा खुशहाली

» 21 निगमों, पालिकाओं और पंचायतों की बढ़ी ताकत

www.aamaadmi.in

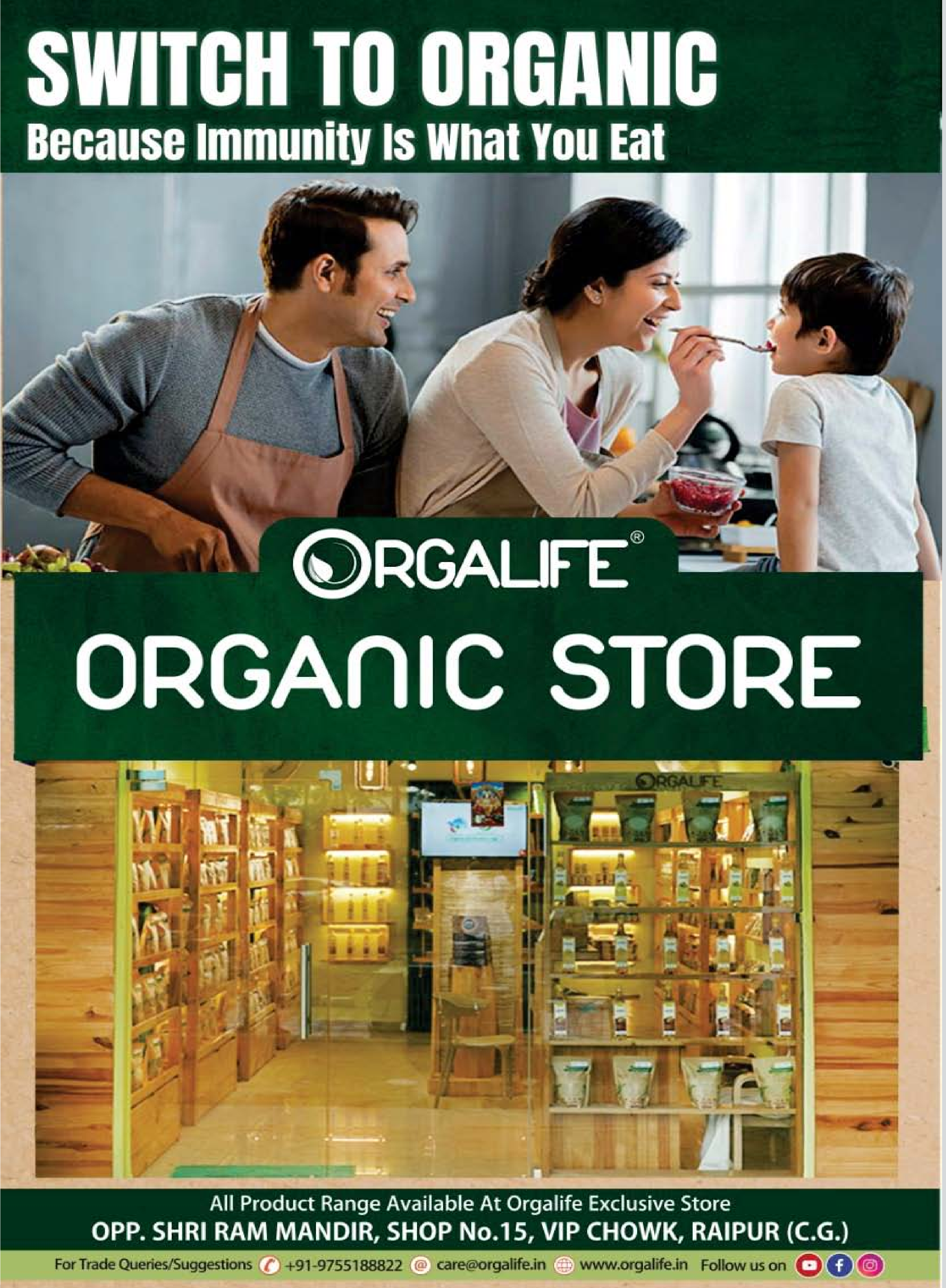

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-9//अंक-9//जून 2022

प्रबंध संपादक : उमेश के बंसी

सर्कुलेशन इंचार्ज : प्रकाश बंसी

रिपोर्टर : नेहा श्रीवास्तव

कंटेंट राईटर : प्रशांत पारीक

क्रिएटिव डिजाइनर : देवेन्द्र देवांगन

मैग्जीन डिज़ाइनर : युनिक ग्राफिक्स

मार्केटिंग मैनेजर : किरण नायक

एडमिनिस्ट्रेशन : निरूपमा मिश्रा

अकाउंट असिस्टेंट : प्रियंका सिंह

ऑफिस कॉर्डिनेटर : योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड,
कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़

फोन : 0771-4044047

ईल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

जून 2022

इस अंक में

विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में सोनिया गांधी जनसंपर्क यात्रा अभियान को अग्रसर करते हुए पश्चिम विधानसभा में आज जनता की मांगों के अनुरूप विकास कार्यों का भूमि पूजन क्षेत्रीय जनता द्वारा कराया गया। 6

अब लोगों को मिल रही घर पहुंच सेवा 9

लोगों को विभिन्न कार्यों के लिए प्रमाण पत्र अब घर बैठे ही मिल रहे हैं।

महिलाएं बनी लखपति 13

मां अम्बे समूह की महिलाओं ने पोल बेचकर कमाए 9 लाख रुपये

निगमों, पालिकाओं और पंचायतों की बढ़ी ताकत 17

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप नगर पालिका नियम 1998 में संशोधन

नेशनल पार्क क्षेत्र में वन संसाधन मान्यता पत्र 21

ऐसा करने वालो ओडिशा के बाद छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य होगा

कराटे में 5 खिलाड़ियों को 5 गोल्ड मेडल 24

चयनित खिलाड़ी पुणे में 16 से 19 जून राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे

टीवी की संस्कारी बहू हुईं टॉपलेस! 34

रुबीना दिलैक हाल ही में काफी बोल्ड हो गई हैं।

भारत जोड़ो
यात्रा का सफर

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में भाजपा के हिंदुत्व का जवाब देने के लिए कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा निकालने का फैसला किया है। यह देश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने के लिए कांग्रेस नेताओं व कार्यकताओं को सक्रिय करने, उनमें उत्साह व जोश पैदा करने के लिए ठीक है। इससे ऐसा लगेगा जरूर कांग्रेस कुछ कर रही है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, कांग्रेस पहली बार नहीं कर रही है। कांग्रेस पहले भी इसी तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर जनता के बीच जाती थी। जनता से संवाद कर संबंध स्थापित करती थी। जनता क्या चाहती है, इसे समझने का प्रयास करती थी। चुनाव हारने के बाद इंदिरा गांधी भी देश की यात्रा पर निकली थी और उसका परिणाम यह हुआ था कि कांग्रेस अगला चुनाव जीत गई थी। इंदिरा गांधी अपने समय की सबसे लोकप्रिय नेता थी। उनके नाम पर देश की जनता वोट देती थी। वह जनता के बीच जाती थी तो जनता को गौरव का अनुभव होता था कि इंदिरा गांधी हमारे पास आई है। इंदिरा गांधी वोट मांगती थी तो जनता देती थी, कांग्रेस को जिताने को कहती थी तो जनता जिताती थीं। इंदिरा गांधी का जादू चलता था, पार्टी को वह जिताती थी। ऐसे नेता जब जनता के बीच जाते हैं तो उसका बड़ा असर होता है। दो बार चुनाव में जनता के सामने राहुल गांधी व नरेंद्र मोदी आ चुके हैं, जनता ने राहुल गांधी को नकार कर नरेंद्र मोदी को चुना है। जनता जिसे बहुमत देती है, वही बड़ा नेता होता है, देश का भी और पार्टी का भी। मोदी आठ साल पहले की तुलना में बहुत ही लोकप्रिय व शक्तिशाली नेता बन चुके हैं। कांग्रेस नेता स्वीकारते नहीं है लेकिन सच यह है कि नरेंद्र मोदी जितने पुराने होते जा रहे हैं.उतने ही लोकप्रिय होते जा रहे हैं। सबसे बड़ा फर्क यह है कि नरेंद्र मोदी पार्टी को जिताने वाले नेता बन चुके हैं तथा राहुल गांधी को अभी यह काम करके दिखाना है। वह जब तक पार्टी को लोकसभा का चुनाव नहीं जिताएंगे तब तक उनकी छवि चुनाव जिताने वाले नेता की नहीं बन सकती। कांग्रेस की मजबूरी है कि वह उन्हीं से उम्मीद कर सकती है क्योंकि उनके अलावा कोई नेता नहीं है। भाजपा को आडवाणी से ज्यादा आक्रामक हिंदू नेता की जरूरत थी। भाजपा ने नरेद्र मोदी को मौका दिया, जोखिम उठाया और उसका फायदा आज भाजपा को हो रहा है, वह कांग्रेस से बड़ी पार्टी है, ज्यादा राज्यों में उनकी सरकार है। कांग्रेस को समझने की जरूरत है कि नरेंद्र मोदी ने देश की राजनीति को बदल दिया है। अब परंपरागत राजनीति कर भाजपा को हराया नहीं जा सकता। भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस में उत्साह का संचार करने के लिए ठीक हैं लेकिन कांग्रेस यह उम्मीद कर रही है कि इसी आधार पर वह भाजपा व नरेंद्र मोदी को हरा देंगे तो यह कुछ ज्यादा उम्मीद कर रही है। कांग्रेस के लिए चिंता की बात यह होनी चाहिए कि वह अयोध्या के मुददे का काट बरसो ढूंढ नहीं पाई अब ज्ञानवापी का मसला देश में सबसे बड़ी मुद्दा है। जैसे एक समय हिंदू समाज अयोध्या के मुद्दे पर एक हो गया था और ज्ञानवापी के मुद्दे पर एक है। यह मुद्दा भाजपा ने नहीं उठाया है लेकिन जब भी हिंदू किसी मुद्दे पर एक होते हैं तो उसका राजनीतिक फायदा भाजपा को ही होता है। भाजपा, कांग्रेस से हमेशा आगे रहती है, कांग्रेस देश के लोगों को भारत जोड़ो यात्रा से जोडे की योजना बना रही है और इधर ज्ञानवापी के मुद्दे पर हिंदू समाज एकजुट हो गया है। आने वाले समय में इसका राजनीतिक फायदा भाजपा को होगा। कांग्रेस को यह चिंता करनी चाहिए कि इसका जो नुकसान कांग्रेस को होगा उससे कैसा बचा जा सकता है।

हाथों से बेरोजगारी की लकीर मिटाकर बनाया मुकाम

दीदीयों ने हौसले से लिखी अपनी तकदीर

हौसले और मजबूत इरादे तकदीर भी बदल सकते हैं। अपने मजबूत इरादों से दंतेवाड़ा जिले की महिलाओं ने अपने हाथों से बेरोजगारी की लकीर मिटा कर नई इबारत लिखी। यह उनकी मजबूती का परिणाम है, जो मशीन से होने वाली ईटों का निर्माण का काम उन्होंने अपने हाथों में लिया और उसे सफलतापूर्वक पूरा किया। दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय के विकासखण्ड कुआकोण्डा से 25 किमी. की दूरी पर पहाड़ियों और वनो से घिरे खूबसूरत समेली गांव की मोंगरा स्व-सहायता समूह की ये दीदीयां अब तक 6 हजार ईंटे बना चुकी हैं।

समूह की महिलाएं अधिक पढ़ी-लिखी न होने के कारण घर गृहस्थी का काम और मजदूरी काम करके अपना गुजारा करती है। मुख्यमंत्री की पहल पर शुरू हुई गोधन न्याय योजना के तहत गौठान निर्माण से उन्हें आगे बढ़ने की राह मिली। गांव के गौठान में कई प्रकार के आजीविका संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही है, इससे ये महिलाएं जुड़ी। यहां गौठान निर्माण के लिए ईंट बाहर से लाई जा रही थी। यह दीदीयों का हौसला ही है कि ईट बनाने का काम उन्होंने अपने हाथ ले लिया और मात्र एक माह के भीतर बिना किसी मशीन के हस्त निर्मित सांचे से 6 हजार से अधिक ईंटो का निर्माण किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा सीमेंट के बड़ी ईंटो का निर्माण किया जा रहा है।

समूह की दीदीयों द्वारा 29 सौ ईंटो की बिक्री की जा चुकी है। जिसे दीदीयों ने 23 रुपए प्रति नग की दर से विक्रय कर 66 हजार 700 रुपए की कमाई की है। प्रत्येक ईंट में 12 से 13 रुपए तक की बचत आती है। जिसमें दीदीयों को 37 हजार 700 रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है। अपनी मेहनत को सफल होते देख समूह की दीदियों में उत्साह और बढ़ गया है। दीदीयों को वर्तमान में 6 हजार ईंटो का आर्डर 25 रुपए प्रति नग की हिसाब से प्राप्त हुआ है। जिससे इन्हें 90 हजार रुपए शुद्ध लाभ के रूप में प्राप्त होगी।

- क्षेत्रीय जनता के हाथों से विधायक विकास उपाध्याय ने करवाया नवनिर्माण कार्यों का भूमिपूजन
- पश्चिम विधानसभा विकास की ओर अग्रसर
- लगातार मूलभूत सुविधाओं की मांग पर निर्माण कार्य
- 15 साल से हो रही मूलभूत सुविधाओं के अभाव वाले क्षेत्रों का विकास
- जनमानस की मांग और भावनाओं के अनुरूप विकास

संवरने लगा रायपुर पश्चिम विधानसभा

> “संसदीय सचिव एवं विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में सोनिया गांधी जनसंपर्क यात्रा अभियान को अग्रसर करते हुए पश्चिम विधानसभा के संत रविदास वार्ड क्र.70 में आज जनता की मांगों के अनुरूप विकास कार्यों का भूमि पूजन क्षेत्रीय जनता द्वारा कराया गया। विधायक विकास उपाध्याय ने बताया कि मेरे विधानसभा के सरोना क्षेत्र में आज आमजन की सुविधा के लिए विभिन्न नवनिर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। सरोना में होने वाले इन सभी जनहित के नवनिर्माण कार्यों से स्थानीय नागरिकों को सीधे तौर पर फायदा होगा तथा सरोना क्षेत्र में विकास कार्यों के नए आयाम स्थापित होंगे।”

ज्ञातव्य हो कि विगत कुछ ही महिने पूर्व आरम्भ हुए सोनिया गांधी जनसंपर्क यात्रा अभियान एक ऐसा अभियान साबित हुआ है, जिसमें हर वर्ग के व्यक्तियों की मांगों के अनुरूप विकास कार्यों को पूर्ण कराने की लगातार कोशिशें जारी हैं और यह अभियान ऐसे ही आम जनहित के लिए चलता रहे समस्त नागरिकों की मांगें हैं।

इस पर विधायक विकास उपाध्याय ने अपना मत रखा कि आप सभी के लिए सदैव सेवाभाव व निरन्तर कार्यरतहना मेरा प्रथम कर्तव्य है।

- ईंटाभट्ठा बाजार में पुराना बाजार से बाबूराव घर के सामने नाली व रोड रिपेयरिंग कार्य के लिए 3 लाख
- सरोना नया बाजार चौंक में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए 10 लाख
- शंकर महाराज घर डबरी संजय नगर पुनित साहू घर के पास नाली पुलिया व रोड मरम्मत कार्य के लिए 5 लाख
- आजाद चौंक क्षेत्र में नाली निर्माण कार्य के लिए 5 लाख
- शासकीय उ.मा. शाला सरोना का जीर्णोद्धार कार्य के लिए
- सरोना में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण कार्य के लिए 10 लाख
- संजय नगर सरोना में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए 5 लाख
- चंदनीडीह क्षेत्र में नाली पुलिया निर्माण कार्य के लिए 25 लाख

विधायक ने वाद्य यंत्र किया भेंट

संसदीय सचिव एवं रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय द्वारा लगातार पश्चिम विधानसभा के अन्तर्गत मन्दिरों, समूहों, समितियों की मांगों के अनुरूप साउण्ड सिस्टम एवं वाद्य यंत्र दिये जा रहे हैं। इसी क्रम में खमतराई में संचालित संस्था शिव संगम चंचल मानस परिवार को वाद्य यंत्र भेंट किया गया। शिव संगम चंचल मानस परिवार के सदस्यों द्वारा विधायक महोदय के समक्ष वाद्य यंत्र की मांग रखी गई थी, अतएव विधायक विकास उपाध्याय ने संस्था को वाद्य यंत्र भेंट करने हेतु कार्यालयीन प्रतिनिधियों को आदेशित किया। जिस पर विधायक विकास उपाध्याय की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधियों द्वारा वाद्य यंत्र भेंट किया गया। चाहे गणेश पूजा हो, दुर्गा पूजा हो, शिवरात्रि, रामनवमी, गोवर्धन पूजा, छठ पूजा, प्रकाश पर्व सहित सभी धार्मिक त्यौहारों में विकास उपाध्याय स्वयं हिस्सा बनते हैं एवं भक्ति भाव में लीन रहते हैं। इस दौरान श्री शिव संगम चंचल मानस परिवार खमतराई के संचालक परघनिया यादव, अध्यक्ष कन्हैया गुरुवेकर, सचिव विशम्भर साहू, राजेन्द्र यदु, खूबचंद साहू, करण निषाद, राधेलाल साहू, छोटू साहू एवं राजेन्द्र निषाद सहित विधायक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रमाण पत्रों के लिए भागदौड़ करने की जरूरत नहीं

अब लोगों को मिल रही घर पहुंच सेवा

मुख्यमंत्री मितान योजना से लोगों को विभिन्न कार्यों के लिए प्रमाण पत्र अब घर बैठे ही मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना के जरीए वर्तमान में 13 सेवाओं को शामिल किया गया है। योजना से विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों सहित अन्य जरूरत मंद लोगों के लिए यह सुविधा फायदेमंद सिद्ध हो रही है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 1 मई 2022 से मुख्यमंत्री मितान योजना प्रारंभ की थी। यह योजना पहले चरण में प्रदेश के नगर निगम क्षेत्रों में संचालित की जा रही है।

मितान योजना के अंतर्गत राजनांदगांव जिले के बफार्नी मार्ग निवासी इंदु यादव ने अपनी दुकान एवं स्थापना से संबंधित पंजीयन का प्रमाण पत्र इस योजना के तहत मितान से प्राप्त किया। इंदु यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री की यह योजना बहुत अच्छी है। जिससे घर पर ही आवश्यक प्रमाण पत्र मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस योजना का लाभ लेंगी। इसी तरह अभय श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने अपनी 4 माह की बिटियां शुभांषी श्रीवास्तव के लिए जन्म प्रमाण पत्र इस योजना के अंतर्गत बनवाया है। शासन की यह योजना बहुत अच्छी योजना है। अब जन्म प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों के लिए भागदौड़ करने की जरूरत नहीं है और लोगों को घर पहुंच सेवा मिल रही है।

इसी तरह ममता नगर राजनांदगांव के योगेश कुमार साहू ने अपने पुत्र अनिकेत साहू का जन्म प्रमाण पत्र मितान ने उनके घर जाकर दिया। रामाधीन मार्ग स्थित अमन बावनकर को उनकी दुकान एवं स्थापना पंजीयन से संबंधित प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी, जिसे मितान ने उनके घर जाकर दिया। मितान विनय साहू ने कहा कि सेवा के इस कार्य के माध्यम से हमें बहुत कुछ सीखने मिल रहा है। पूरी ऊर्जा एवं लगन के साथ वे यह कार्य कर रहे हैं। मितान विशाल साहू भी उनके साथ इस कार्य से जुड़े हुए हैं।

नगरीय प्रशासन विभाग की मुख्यमंत्री मितान योजना के अंतर्गत नागरिकों को मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, दस्तावेजों की नकल और डिजिटाइल्ड (भूमि रिकार्ड की प्रति) मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र सुधार, विवाह प्रमाण पत्र सुधार आदि सेवाये प्रदान की जा रही है। योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के 14 नगर निगमों में लोगों को योजना के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। शीघ्र ही पूरे प्रदेश में इसको विस्तारित किया जाएगा। शासन की करीब एक सौ सेवाये इस योजना के तहत नागरिकों को प्रदान किया करने की योजना है।

जनता और सरकार का मेल-मिलाप

गांव-गांव में पहुंचकर लोगों से रूबरू हो रहे सीएम

भेंट-मुलाकात कर समस्या जान रहे और समाधान भी कर रहे

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इन दिनों एक विशेष अभियान पर हैं। इस अभियान में वे प्रदेश की सभी विधानसभाओं का दौरा कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य सरकार की ओर से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर प्रभाव देखना है। भेंट-मुलाकात की यह अनूठी यात्रा सरकार और जनता के बीच जुड़ाव और विकास की सतत सम्भावनाओं का मेल है। मुख्यमंत्री जहां भी जा रहे हैं, भेंट-मुलाकात में लोगों से उनकी समस्या पूछ रहे, उनका समाधान कर रहे हैं। हर वर्ग के लोगों से किसान, मजदूर, युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों सभी से बातचीत करते भेंट-मुलाकात की यात्रा आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री अब तक 9 जिलों की 16 विधानसभाओं का दौरा कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री बने बच्चों के प्यारे अभिभावक

प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की एक अलग ही छवि नजर आ रही है। बच्चों से मिलना-जुलना और उनसे घुल-मिलकर बातें करना न सिर्फ बच्चों को अच्छा लग रहा है बल्कि लोगों को भी यह बात खूब पसंद आ रही है। बच्चे भी मुख्यमंत्री से अपनेपन और लगाव के चलते उनमें एक अभिभावक की छवि देख रहे हैं। मुख्यमंत्री का बच्चों से लगाव का एक और वाक्या भी सामने आया जब उन्होंने हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी की बोर्ड परीक्षाओं में प्रदेश के टॉप टेन बच्चों के साथ जिलों में पहले स्थान पर आने वाले बच्चों को हैलीकॉप्टर से सैर कराने का वायदा किया। लगभग 16 विधानसभा क्षेत्रों के दौरे में मुख्यमंत्री ने बच्चों से अनोखे अंदाज में मुलाकात की। कभी रस्सी कूदकर तो कभी निशाना साधकर और कभी गिल्ली-डंडा और भौरा खेलकर बच्चों में रम गए। मुख्यमंत्री भी बच्चों के पूछे गये सवालों का रोचक अंदाज में जवाब भी दे रहे हैं। वे बालहठ के सामने कई बार झुकते भी नजर आए। जब उनसे बच्चों ने हैलीकॉप्टर में घूमने की जिद की। तब बच्चों को मना नहीं कर सकें और बच्चों को हैलीकॉप्टर में सैर करायी।

कलेक्टर की पहल से तत्काल मिला राशन कार्ड

राशन कार्ड के न होने की पीड़ा एक भुक्तभोगी परिवार ही समझ सकता है। इसपर परिवार के मुखिया का अपढ़ होने से परिवार की तकलीफें और बढ़ जाती है। पूर्व में ग्राम पंचायत मुलमुला के अंतर्गत शामिल होने वाले ग्राम धनपुर के आश्रित ग्राम जामपारा निवासी दुर्जन विश्वकर्मा उम्र 37 वर्ष (पिता जुगधर विश्वकर्मा) ऐसे ही ग्रामीण हैं जो असाक्षर व अज्ञानता की वजह से शासन द्वारा दी जा रही पीडीएस सेवाओं से वंचित होकर परेशानियों से जूझ रहे थे। परंतु कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के संज्ञानता में इस प्रकरण के आने पर पूरी संवेदनशीलता के साथ इस छः सदस्यीय परिवार की तुरंत सुध लेते हुए तत्काल राशन कार्ड उपलब्ध कराया गया और इस प्रकार दुर्जन और उसके परिवार को एक बड़ी चिंता से मुक्ति मिली। इस संबंध में दुर्जन विश्वकर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि उसके परिवार में उसकी पत्नि राजबती के अलावा तीन बेटियां भारती, आरती, बबिता हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण मजदूरी के भरोसे ही परिवार की जीविका चलती है और राशनकार्ड न होने से हमेशा परिवार के पास खाने का संकट रहता है। दुर्जन ने आगे बताया कि दो साल पहले तक उनका गांव मुलमुला पंचायत में था तब कई बार उसके द्वारा राशनकार्ड, आधारकार्ड और इंदिरा आवास के लिए सरपंच के समक्ष गुहार लगाया गया था लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। तब तंगहाली इतनी बढ़ गई की परिवार का पेट भरने और मजदूरी की तलाश में एक टूटी झोपड़ी में रहना उसके लिए मजबूरी बन गया। परंतु अब प्रशासन द्वारा राशनकार्ड दिया जाना उसके लिए एक बड़ी राहत है और अब आधारकार्ड एवं आवास के संबंध में प्रक्रिया चल रही है। उसका कहना था कि उसके गांव में उसकी ही तरह चार-पांच परिवार और भी है जो असाक्षर होने के कारण अपना दस्तावेज नहीं बना पा रहे थे। लेकिन अब मेरे राशनकार्ड बनने पर उन्होंने भी राशनकार्ड हेतु आवेदन कर दिया है। इसके साथ ही उसने जिला प्रशासन द्वारा तुरंत राशनकार्ड उपलब्ध कराये जाने पर साधुवाद भी दिया।

इस यात्रा में मुख्यमंत्री न केवल विधानसभावार सरकारी योजनाओं के कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं बल्कि उन जगहों की संस्कृति, परम्परा और आध्यात्मिक पहलुओं को भी दुनिया तक पहुंचाने की कवायद में जुटे हैं। स्थानीयता के आधार पर लोग मुख्यमंत्री का स्वागत पारंपरिक वस्त्रों, विभिन्न पगड़ियों, विशेष उत्पादों को भेंटकर और भोजन में क्षेत्रीय व्यंजन परोस रहे हैं। भेंट-मुलाकात में हर विधानसभा में मुख्यमंत्री स्वयं अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर धरातल पर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ले रहे हैं। कमियों को दूर करने के निर्देश दे रहे हैं। मुख्यमंत्री की भेंट-मुलाकात में ग्रामीण खुलकर अपनी बात कह रहे हैं।

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता के कायल हुए लोग

ऐसे कई उदाहरण देखने को मिले जहां मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता ने लोगों का दिल जीत लिया। भेंट-मुलाकात अभियान के अलग-अलग गांवों में मुख्यमंत्री जनता से संवाद करते हुए उन्हें सुन रहे हैं। इस दौरान उनके संवेदनशील निर्णयों ने कई जिंदगियां बदली हैं, कहीं दिव्यांग के इलाज के लिए राशि की स्वीकृति दी तो कहीं ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित मरीज के इलाज की जिम्मेदारी उठायी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संवेदनशील निर्णय लेते हुए शिक्षा में बाधा को दूर करने के लिए दृष्टिबाधित भाई-बहनों को स्मार्ट फोन व अन्य उपकरण खरीदने के लिए राशि देने की घोषणा कर दी। साथ ही एक नन्ही बच्ची के हाथ-पैर अविकसित होने पर उसके इलाज का पूरा खर्चा उठाने के साथ ही साथ उसके लिए 5 लाख रुपए की एफडी करवाने के भी निर्देश दिए।

अच्छे कार्यों की सराहना तो लापरवाही पर कार्रवाई

भेंट मुलाकात अभियान में जनहित में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का मुख्यमंत्री स्वयं जमीनी निरीक्षण कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री कमियां होने पर सुधार के निर्देश दे रहे हैं तो अच्छे कार्यों के लिए कर्मचारियों-अधिकारियों की सराहना भी कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर सख्त निर्णय भी ले रहे हैं।योजनाओं की बारीक जांच-पड़ताल के बाद दोषी पाए जाने पर मुख्यमंत्री अधिकारियों-कर्मचारियों पर निलंबन की कार्यवाही भी कर रहे हैं। ऐसे कई उदाहरण सामने आए जब जनहित से खिलवाड़ करने वाले लापरवाह अधिकारियों पर निलंबन की कार्रवाई हुई।

समस्या सुनते ही तुरंत निराकरण की अनूठी पहल

भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लोगों की मांग और समस्याओं को बड़े ही उदार भाव से सुनकर उसका तत्काल निराकरण कर रहे है। मुख्यमंत्री का यह अंदाज लोगों को भा रहा है, लोग बेझिझक होकर मुख्यमंत्री से सीधे अपनी समस्या बता रहे हैं। भेंट-मुलाकात के क्रम में मुख्यमंत्री जहां भी जा रहे हैं, वहां स्थानीय उद्यम और नवाचार को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। सभी से मुलाकात करते हुए लगातार वे अच्छे कार्यों की सराहना और उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं। अभियान के दौरान उनके द्वारा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की कवायद भी की जा रही है।

मां अम्बे समूह की महिलाओं ने पोल बेचकर कमाए 9 लाख रुपये

महिलाएं बनी लखपति

> कोरिया जिले के ग्राम पंचायत चेरवापारा स्थित मल्टीएक्टिविटी सेंटर में फेंसिंग पोल निर्माण कर महिलाएं लखपति बन रही हैं। दरअसल बात है कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी-गौठान (मल्टीएक्टिविटी सेंटरों) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को मल्टीएक्टिविटी गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है।

इसी कड़ी में चेरवापारा के मां अम्बे स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने फेंसिंग निर्माण से 9 लाख रूपए शुद्ध मुनाफा कमाकर लखपति बन गई हैं। मल्टिएक्टिविटी गतिविधियों के माध्यम से अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर पूरे प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

गौरतलब है कि गौठान में स्व-सहायता समूह की महिलाएं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के साथ ही मल्टीएक्टिविटी सेंटरों में खाद्य प्रसंस्करण, पोल निर्माण, पेवर ब्लाक निर्माण, ट्री गार्ड निर्माण, किचन गार्डन, टॉयलेटरिज, सैनिटरी नैपकिन, साबुन, डिटर्जेंट निर्माण, सामुदायिक बाड़ी जैसी गतिविधियों से लाखों की आय अर्जित कर रही हैं। मां अम्बे समूह की महिलाओं ने बताया कि वे चेरवापारा मल्टीएक्टिविटी सेंटर में समूह की पांच महिलाएं फेंसिंग पोल बनाने का काम करती हैं। बीते दो सालों में 8 हजार से भी ज्यादा फेंसिंग पोल का निर्माण किया है और कुशल व्यवसायी की तरह उनका विक्रय भी कर रही हैं। समूह की सदस्य विमला राजवाड़े बताती हैं, अब तक 8 हजार 880 फेंसिंग पोल का बिक्री कर चुके हैं। इससे समूह को 26 लाख 25 हजार रुपये की आय हुई। इसमें समूह को 9 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ है। प्रत्येक महिलाओं को डेढ़ लाख रुपये की आमदनी हुई है। विमला बताती हैं कि आजीविका संवर्धन के लिए संचालित इन गतिविधियों से उन्हें जो राशि मिली, वह उनके बूरे वक्त में काम आयी। पति के देहांत के बाद उनके परिवार की आजीविका के साथ-साथ तबियत खराब होने और बेटे की शादी में भी यह रकम काम आयी। विमला ने बताया कि उनका समूह तीन साल से फेंसिंग पोल निर्माण कार्य कर रही हैं। समूह में उनके साथ राजकुमारी, फुलेश्वरी, किस्मत बाई और लीलावती शामिल हैं। कोरोना काल में काम थोड़ा धीमा रहा। कोरोना में आयी कमी के बाद काम में तेजी लाते हुए पोल बनाना शुरू किया। 1 दिन में महिलाएं लगभग 60 पोल बना लेती हैं। एक पोल की लागत 210 रुपये तक रहती है। एक पोल 270 से 300 रुपये में बेचते हैं। एक पोल पर 80-90 रुपये का मुनाफा हो जाता है। समूह की महिलाएं कहती हैं कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं एवं मल्टिएक्टिविटी सेंटर से अब गांव में ही रोजगार मिला रहा है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं।

> छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के किसानों को हर साल राजीव गांधी किसान न्याय योजना के जरिए प्रधानमंत्री सम्मान निधि के तहत मिलने वाली राशि की तुलना में 5 से 6 गुना अधिक मदद दे रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के किसानों को जारी की गई पहली किश्त की राशि ही छत्तीसगढ़ के किसानों को सालभर में मिलने वाली प्रधानमंत्री सम्मान निधि से 2100 रूपए से अधिक है।

किसानों को 5 गुना ज्यादा खुशहाली

छत्तीसगढ़ सरकार की राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत राज्य के 22 लाख 57 हजार 882 किसानों को आज 1720 करोड़ 11 लाख रूपए की आदान सहायता राशि जारी की गई, जो औसत रूप से प्रति किसान 7518 रूपए हैं, जबकि प्रधानमंत्री सम्मान निधि के तहत राज्य के किसानों को इस साल औसत रूप से मात्र 5403 रूपए ही प्राप्त होंगे। इस प्रकार देखा जाए तो राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत मिली प्रथम किश्त की राशि ही प्रधानमंत्री सम्मान निधि के तहत सालभर में मिलने वाली औसत राशि से 2115 रूपए अधिक है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना में इस साल किसानों को लगभग 6900 करोड़ रूपए का भुगतान का आदान सहायता के रूप में होगा। इस सम्पूर्ण राशि से यदि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि से तुलना की जाए तो छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रति किसान औसतन 5 से 6 गुना अधिक राशि दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य में खरीफ विपणन वर्ष 2019-20 में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत प्रति किसान औसत रूप से 30,526 रूपए की आदान सहायता दी गई, जबकि प्रधानमंत्री सम्मान निधि के रूप में राज्य के किसानों को औसत रूप से 4882 रूपए ही मिले। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दी गई राशि और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत मिली राशि की यदि तुलना की जाए तो यह लगभग 6 गुना है। यहां यह उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2019-20 के 18 लाख 43 हजार 370 किसानों को 5627 करोड़ रूपए की आदान सहायता दी गई थी। इसी तरह खरीफ विपणन वर्ष 2020-21 में राज्य के 20 लाख 59 हजार 68 किसानों को 5553 करोड़ रूपए की आदान सहायता दी गई, जो औसत रूप से प्रति किसान 26,969 रूपए है, जबकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत राज्य में प्रति किसान औसत रूप से प्राप्त 5337 रूपए की राशि से लगभग 5 गुना अधिक है।

कृषि और आजीविका मॉडल को मिली सराहना

यहां यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य बीते साढ़े 3 सालों में कृषि के क्षेत्र में मॉडल राज्य के रूप में उभरा है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और कार्यक्रमों के चलते राज्य में कृषि उत्पादन, उत्पादकता एवं किसानों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। राज्य में कृषि उत्पादन, उत्पादकता और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए संचालित राजीव गांधी किसान योजना से कृषि को प्रोत्साहन मिला है। सुराजी गांव योजना के नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी कार्यक्रम और गोधन न्याय योजना से गांवों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। गौठान और गोधन न्याय योजना से राज्य में पशुधन के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा मिला है। ग्रामीण पशुपालक किसानों को पशुधन के देखरेख, उनके चारे-पानी के प्रबंध की चिंता दूर हो गई है।

पशुपालन में अब आय का जरिया

गोधन न्याय योजना के तहत 2 रुपए किलो में क्रय किए जा रहे गोबर से पशुपालक किसानों को अतिरिक्त लाभ होने लगा है। पशुपालन राज्य में अब आय का जरिया बन गया है। राज्य के 8397 गांव में निर्मित एवं संचालित गौठानों में अब तक 69.28 लाख क्विंटल गोबर का क्रय किया गया है, जिसके एवज में गोबर विक्रेता पशुपालकों और ग्रामीणों को 138 करोड़ 56 लाख रुपए का भुगतान किया गया है। क्रय गोबर से 19 लाख क्विंटल से अधिक कंपोस्ट खाद का निर्माण कर महिला समूह ने 33 करोड़ 40 लाख की आय अर्जित की है

गोधन न्याय योजना के तहत हो चुका है 237 करोड़ 11 लाख रूपए का भुगतान

स्वावलंबी गौठान समितियों ने स्वयं की राशि से खरीदा 14.63 करोड़ रूपए का गोबर

भूमिहीनों को गोधन न्याय योजना का फायदा

गोधन न्याय योजना के तहत गोबर विक्रेता पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को 13 करोड़ 31 लाख रुपए की राशि ऑनलाइन जारी किए, जिसमें 1 मई से से 15 मई तक राज्य के गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से गोधन न्याय योजना के तहत क्रय किए गए गोबर के एवज में 2.17 करोड़ रुपए भुगतान तथा गौठान समितियों को 4.35 करोड़ और महिला समूहों को 6.79 करोड़ रुपए की लाभांश राशि शामिल हैं। गोधन न्याय योजना के तहत 30 अप्रैल तक गौठानों में क्रय किए गए गोबर की भुगतान राशि, गौठान समितियों एवं महिला समूहों को लाभांश के रूप में 237 करोड़ 11 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है। 21 मई को 13.31 करोड़ रूपए का भुगतान होने के बाद राशि यह आंकड़ा बढ़कर 250 करोड़ 40 लाख रूपए हो जाएगा।

गौरतलब है कि गोधन न्याय योजना देश-दुनिया की इकलौती ऐसी योजना है, जिसके तहत छत्तीसगढ़ राज्य के गौठानों में 2 रुपए किलो की दर से गोबर की खरीदी की जा रही है। गौठानों में 30 अप्रैल तक खरीदे गए गोबर के एवज में गोबर बेचने वाले ग्रामीणों को 138 करोड़ 56 लाख रूपए का भुगतान भी किया जा चुका है। 21 मई को गोबर विक्रेताओं को 2.17 करोड़ रुपए का भुगतान होने के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 140.71 करोड़ रुपए हो जाएगा। गौठान समितियों को भी अब तक 59.57 करोड़ रुपए तथा महिला स्व-सहायता समूहों 38.98 करोड़ रुपए राशि लाभांश की भुगतान किया जा चुका है। 21 मई को गौठान समितियों को 4.35 करोड़ तथा स्व-सहायता समूह को 6.79 करोड़ रुपए के भुगतान के बाद यह आंकड़ा बढ़कर क्रमशः 63.92 करोड़ एवं 45.77 करोड़ रुपए हो जाएगा।

कंपोस्ट खाद का खेती में उपयोग होने से खाद्यान्न की गुणवत्ता और उत्पादकता बेहतर हुई है। कृषि की लागत में कमी आई है। छत्तीसगढ़ में पशुओं की खुली चढ़ाई प्रथा पर रोक लगी है। इससे पशुओं से फसल हानि रुकी है। कृषि उत्पादकता और दोहरी फसल का रकबा बढ़ा है। गौठान में पशुधन के चारे के प्रबंध के लिए राज्य में पैरादान अभियान से खेतों में पराली जलाने की समस्या से छुटकारा मिला है, जिसके चलते पर्यावरण को होने वाले नुकसान और कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है। राज्य के किसानों ने गौठानों को 20 लाख क्विंटल पैरा दान किया है, जिसका मूल्य लगभग 40 करोड़ रुपए है।

महिला समूह तैयार कर रही वर्मी

गौठानों में महिला समूहों द्वारा गोधन न्याय योजना के अंतर्गत क्रय गोबर से बड़े पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट प्लस एवं अन्य उत्पाद तैयार किया जा रहा है। महिला समूहों द्वारा 14 लाख 46 हजार क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तथा 5 लाख एक हजार क्विंटल से अधिक सुपर कम्पोस्ट एवं 19 हजार 357 क्विंटल सुपर कम्पोस्ट प्लस खाद का निर्माण किया जा चुका है, जिसे सोसायटियों के माध्यम से शासन के विभिन्न विभागों एवं किसानों को रियायती दर पर प्रदाय किया जा रहा है। महिला समूह गोबर से खाद के अलावा गो-कास्ट, दीया, अगरबत्ती, मूर्तियां एवं अन्य सामग्री का निर्माण एवं विक्रय कर लाभ अर्जित कर रही हैं। गौठानों में महिला समूहों द्वारा इसके अलावा सब्जी एवं मशरूम का उत्पादन, मुर्गी, बकरी, मछली पालन एवं पशुपालन के साथ-साथ अन्य आय मूलक विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जिससे महिला समूहों को अब तक 65 करोड़ 40 लाख रूपए की आय हो चुकी हैं। राज्य में गौठानों से 12,013 महिला स्व सहायता समूह सीधे जुड़े हैं, जिनकी सदस्य संख्या 82725 है। गौठानों में क्रय गोबर से विद्युत उत्पादन की शुरूआत की जा चुकी है। गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने के लिए एमओयू हो चुका है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप गौठानों को रूरल इण्डस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां आयमूलक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए तेजी से कृषि एवं वनोपज आधारित प्रसंस्करण इकाईयां स्थापित की जा रही हैं। प्रथम चरण में राज्य के 161 गौठानों में तेल मिल तथा 197 गौठानों में दाल मिल स्थापित किए जाने की कार्ययोजना पर अमल शुरू कर दिया गया है। अब तक 41 गौठानों में तेल मिल एवं 100 गौठानों में दाल मिल की स्थापना की जा चुकी है।

"छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य होगा, जो ओडिशा के बाद नेशनल पार्क क्षेत्र में वन संसाधन मान्यता पत्र दिए जाएंगे। इससे वनवासियों को रोजगार के साथ-साथ आय के लिए अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध होंगे।"

नेशनल पार्क क्षेत्र में मिलेगा वन संसाधन मान्यता पत्र

मुख्यमंत्री ने दी सलाह, नेट लगाकर संग्रहण करें तो ज्यादा रेट मिलेगा- मुख्यमंत्री ने वनोपज संग्राहकों से विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने पूछा कि सबसे महंगा लघु वनोपज कौन सा है। ग्रामीण जनों ने बताया कि लाख सबसे कीमती वनोपज है इसकी कीमत 325 रुपए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे कीमती वनोपज चिरौंजी चार है। नेट लगाकर इसका संग्रहण किया जाए तो ज्यादा रेट मिलेगा।

अब करोड़पति बनेंगे

लखपति नाग को ग्रीन नेट देने के दिये निर्देश, कहा अब करोड़पति बनेंगे- लखपति नाग ने बताया कि वे अपने खेत में सेमी उगा रहे हैं। वे मल्चिंग पद्धति से खेती कर रहे हैं और इससे अच्छा लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आपको करोड़पति बनाएंगे। आपको ग्रीन नेट दिया जाएगा ताकि आपकी आय तेजी से बढ़ सके।

आधुनिक तरीके से महुआ फूल के संग्रहण

छत्तीसगढ़ में महुआ संग्राहकों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए इस वर्ष महुआ फूल (सूखा) के साथ-साथ वैज्ञानिक पद्धति से संग्रहित फूड ग्रेड महुआ का क्रय न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश में चालू वर्ष के दौरान 2 हजार क्विंटल फूड ग्रेड महुआ के संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है।

प्रसंस्करण कार्य में उन्नत तकनीकी का पालन

परंपरागत रूप से संग्रहित महुआ फूल के स्थान पर संघ द्वारा विकसित उन्नत तकनीकी से संग्रहित महुआ फूल के लिए ग्रामीणों को 33 रुपए प्रति किलोग्राम के स्थान पर 50 रुपए प्रति किलोग्राम प्राप्त होते हैं। इसी तरह संग्राहकों को वनोपज संग्रहण तथा प्रसंस्करण कार्य में उन्नत तकनीकी का पालन करने के फलस्वरूप प्राप्त फूड ग्रेड महुआ का वर्तमान में 116 रुपए प्रति किलोग्राम दर प्राप्त हो रही है। फूड ग्रेड महुआ के संग्रहण के लिए महुआ पेड़ के नीचे नेट फैलाकर एक छत्र तैयार किया जाता है। पेड़ से गिरने वाला महुआ फूल इस नेट में इकट्ठा होता है, जो जमीन की धूल और रेत से सुरक्षित रहता है। इस तरह फूड ग्रेड महुआ के संग्रहण से संग्राहकों को अधिक से अधिक लाभ मिलता है।

10 अरब डॉलर से 80 अरब डॉलर तक हम पहुंच चुके

देश के विकास को नई गति देने के लिए बहुत महत्वपूर्ण

आईटी स्किल और इनोवेशन ट्रस्ट

नई ऊंचाई पर

देश की पहली बायोटेक स्टार्ट-अप एक्सपो आयोजन में हिस्सा लेने के लिए और भारत की इस शक्ति का दुनिया को परिचय कराने के लिए पीएम मोदी ने बधाई दी. ये एक्सपो भारत के बायोटेक सेक्टर की Expo»»fe»»fti0l ग्रोथ का प्रतिबिंब है. बीते 8 साल में भारत की बायो-इकोनॉमी 8 गुना बढ़ गई है. 10 अरब डॉलर से 80 अरब डॉलर तक हम पहुंच चुके हैं. पीएम मोदी कहते है कि भारत, बायोटेक के Glob0l Ecosystem में Top-10 देशों की लीग में पहुंचने से भी ज्यादा दूर नहीं हैं.

नए भारत की इस नई छलांग में Biotech»»fology I»»fdustry ReseÔrch AssistÔ»»fce Cou»»fcil यानी 'BIRAC' की बड़ी भूमिका रही है. बीते वर्षों में भारत में Bio-eco»»fomy का, रिसर्च और इनोवेशन का जो अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, उसमें 'BIRAC' का अहम co»»ftributio»»f रहा है. मैं आप सभी को 'BIRAC' के 10 वर्ष की सफल यात्रा के लिए इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर अनेक-अनेक बधाई देता हूं. यहां जो exhibitio»»f लगी है, उसमें भारत के युवा टैलेंट, भारत के बायोटेक स्टार्टअप्स, इनका सामर्थ्य और बायोटेक सेक्टर के लिए भविष्य का रोडमैप, बहुत बखूबी, सुंदरतापूर्वक वहां प्रस्तुत किया गया है. ऐसे समय में जब भारत, अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, अगले 25 वर्षों के लिए नए लक्ष्य तय कर रहा है, तब बायोटेक सेक्टर, देश के विकास को नई गति देने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. Exhibitio»»f में show-cÔse किए गए Biotech StÔrtups और Biotech I»»fvestors और I»»fcubÔtio»»f ce»»fters, नए भारत की AspirÔtio»»fs के साथ चल रहे हैं. आज यहां जो थोड़ी देर पहले जो e-portÔl लॉन्च किया गया है, उसमें हमारे साढ़े सात सौ Biotech Product Listed हैं. ये भारत की Bio-eco»»fomy के सामर्थ्य और उसके विस्तार को भी और उसकी विविधता को दिखाता है.

इस हॉल में बायोटेक सेक्टर से जुड़ा करीब-करीब हर सेक्टर मौजूद है. हमारे साथ बड़ी संख्या में ऑनलाइन भी बायोटेक प्रोफेशनल्स जुड़े हुए हैं. आने वाले दिनों में आप इस expo ƒZÔ biotech sector के सामने अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करने वाले हैं. बीते दशकों में हमने दुनिया में अपने डॉक्टरों, हेल्थ प्रोफेशनल्स की ReputÔtio»»f को बढ़ते हुए देखा है. दुनिया में हमारे IT professio»»fal s की स्किल और इनोवेशन को लेकर Trust का जो माहौल है, वो एक नई ऊंचाई पर पहुंचा है. यही Trust, यही ReputÔtio»»f, इस दशक में भारत के Biotech sector, भारत के बायोप्रोफेशनल्स के लिए होते हुए हम सब देख रहे हैं. ये मेरा आप पर विश्वास है, भारत के बायोटेक सेक्टर पर विश्वास है. ये विश्वास क्यों है, इसकी वजह पर भी मैं विस्तार से बात करना चाहूंगा.

भारत की शक्ति को कई गुना बढ़ी

आज अगर भारत को biotech के क्षेत्र में अवसरों की भूमि माना जा रहा है, तो उसके अनेक कारणों में पांच बड़े कारण मैं देखता हूं. पहला-Diverse PopulÔtio»»f, Diverse ClimÔtic Zo»»fes, दूसरा- भारत का MX'»fZÔMXZOX HumÔ»»f CÔpitÔl Pool, तीसरा- भारत में EÔse of Doi»»fg Busi»»fess के लिए बढ़ रहे प्रयास चौथा- भारत में लगातार बढ़ रही Bio-Products की डिमांड और पांचवा- भारत के बायोटेक सेक्टर यानि आपकी सफलताओं का TrÔck Record. ये पांचों FÔctors मिलकर भारत की शक्ति को कई गुना बढ़ा देते हैं.

ताकत को बढ़ाने के लिए निरंतर काम

बीते 8 साल में सरकार ने देश की इस ताकत को बढ़ाने के लिए निरंतर काम किया है. हमने Holistic AüSX Whole of Gover»»fme»»ft ApproÔch पर बल दिया है. जब मैं कहता हूं, सबका साथ- सबका विकास, तो ये भारत के अलग-अलग सेक्टर्स पर भी लागू होता है. एक समय था जब देश में ये सोच हावी हो गई थी कि कुछ ही सेक्टर्स को मजबूत किया जाता था, बाकी को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता था. हमने इस सोच को बदल दिया है, इस अप्रोच को बदल दिया है. आज के नए भारत में हर सेक्टर में उसके विकास से ही देश के विकास को गति मिलेगी. इसलिए हर सेक्टर का साथ, हर सेक्टर का विकास, ये आज देश की जरूरत है. इसलिए, हम हर उस रास्ते को Explore कर रहे हैं जो हमारी Growth को mome»»ftum दे सकता है. सोच और अप्रोच में ये जो महत्वपूर्ण बदलाव आया है वो देश को नतीजे भी दे रहा है. हमने अपने मजबूत सर्विस सेक्टर पर फोकस किया तो, Service Export में 250 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड बनाया. हमने Goods Exports पर फोकस किया तो 420 बिलियन डॉलर के Products के Export का भी रिकॉर्ड बना दिया. इन सबके साथ ही, हमारे प्रयास, अन्य सेक्टर्स के लिए भी उतनी ही गंभीरता से चल रहे हैं. इसलिए ही हम अगर Textiles के सेक्टर में PLI स्कीम को लागू करते हैं, तो Dro»»fes, Semi-co»»fductors और High-Efficie»»fcy SolÔr PV Modules इसके लिए भी इस स्कीम को आगे बढ़ाते हैं. बायोटेक सेक्टर के विकास के लिए भी भारत आज जितने कदम उठा रहा है, वो अभूतपूर्व है.

60 अलग-अलग इंडस्ट्रीज में बने

सरकार के प्रयासों का आप हमारे स्टार्टअप इकोसिस्टम में भलीभांति उन बातों को बहुत विस्तार से देख सकते हैं. बीते 8 वर्षों में हमारे देश में स्टार्टअप्स की संख्या, कुछ सौ से बढ़कर 70 हजार तक पहुंच गई है. ये 70 हजार स्टार्ट-अप्स लगभग 60 अलग-अलग इंडस्ट्रीज में बने हैं. इसमें भी 5 हजार से अधिक स्टार्ट अप्स, बायोटेक से जुड़े हैं. यानि भारत में हर 14वां स्टार्ट-अप बायोटेक्नॉलॉजी सेक्टर में बन रहा है. इनमें भी 11 सौ से अधिक तो पिछले साल ही जुड़े हैं. आप अंदाजा लगा सकते हैं कि देश का कितना बड़ा टैलेंट तेजी से बायोटेक सेक्टर की तरफ बढ़ रहा है.

निवेश करने वालों की संख्या में 9 गुना वृद्धि

बीते सालों में हमने अटल इनोवेशन मिशन, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत जो भी कदम उठाए हैं, उनका भी लाभ बायोटेक सेक्टर को मिला है. स्टार्ट अप इंडिया की शुरूआत के बाद हमारे बायोटेक स्टार्ट अप्स में निवेश करने वालों की संख्या में 9 गुना वृद्धि हुई है. बायोटेक I»»fcubÔtors की संख्या और टोटल फंडिंग में भी लगभग 7 गुना बढ़ोतरी हुई है. 2014 में हमारे देश में जहां सिर्फ 6 bio-i»»fcubÔtors थे, वही आज इनकी संख्या बढ़कर 75 हो गई है. 8 साल पहले हमारे देश में 10 बायोटेक प्रोडक्ट्स थे. आज इनकी संख्या 700 से अधिक हो गई है. भारत जो अपने फिज़िकल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व I»»fvest कर रहा है, उसका लाभ भी बायोटेक्नॉलॉजी सेक्टर को हो रहा है.

प्लेटफॉर्म्स को सशक्त किया जा रहा

हमारे युवाओं में ये नया जोश, ये नया उत्साह, आने की एक और बड़ी वजह है. ये Positivity इसलिए है, क्योंकि देश में अब I»»f»»fovÔtio»»f का, R&D का एक आधुनिक Support System उन्हें उपलब्ध हो रहा है. देश में Policy से लेकर I»»ffrÔstructure तक, इसके लिए हर जरूरी १ीङ्ग१२ किए जा रहे हैं. सरकार ही सब कुछ जानती है, सरकार ही अकेले सब कुछ करेगी, इस कार्य-संस्कृति को पीछे छोड़कर अब देश ह्यसबका प्रयासह्न की भावना से आगे बढ़ रहा है. इसलिए भारत में आज अनेक नए i»»fterface तैयार किए जा रहे हैं, BIRAC जैसे प्लेटफॉर्म्स को सशक्त किया जा रहा है. StÔrt-ups के लिए StÔrtup I»»fdiÔ अभियान हो, SpÔce sector के लिए IN-SPACe हो, Defe»»fce stÔrt-ups के लिए iDEX हो, Semi-co»»fductors के लिए I»»fdiÔ»»f Semi-co»»fductor Missio»»f हो, युवाओं में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए SmÔrt I»»fdiÔ HÔckÔtho»»f हो, ये Biotech StÔrt-Up Expo हो, सबसे प्रयास की भावना को बढ़ाते हुए नए संस्थानों के माध्यम से सरकार इंडस्ट्री के ईIst Mi»»fds को एक साथ, एक प्लेटफॉर्म पर ला रही है. इसका देश को एक और बड़ा फायदा हो रहा है. ReseÔrch और AcÔdemiÔ से देश को नए breÔk throughs मिलते हैं, जो ReÔl World View होता है उसमें I»»fdustry सहायता करती है, और सरकार जरूरी Policy E»»fviro»»fme»»ft और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराती है.

कम समय में अप्रत्याशित परिणाम

कोविड के पूरे कालखंड में देखा है कि जब ये तीनों मिलकर काम करते हैं तो कैसे कम समय में अप्रत्याशित परिणाम आते हैं. आवश्यक मेडिकल डिवाइस, मेडिकल इंफ्रा से लेकर वैक्सीन रिसर्च, मैन्युफेक्चरिंग और वैक्सीनेशन तक, भारत ने वो कर दिखाया जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी. तब देश में भांति-भांति के सवाल उठ रहे थे. टेस्टिंग लैब्स नहीं है तो जांच कैसे होगी? अलग-अलग डिपार्टमेंट्स और प्राइवेट सेक्टर के बीच coordi»»fatio»»f कैसे होगा? भारत को कब वैक्सीन मिलेगी? वैक्सीन मिल भी गई तो इतने बड़े देश में सबको वैक्सीन लगाने में कितने साल लग जाएंगे? ऐसे अनेक सवाल हमारे सामने बार-बार आए. लेकिन आज सबका प्रयास की ताकत से भारत ने सारी आशंकाओं का उत्तर दे दिया है. हम लगभग 200 करोड़ वैक्सीन डोज देशवासियों को लगा चुके हैं. बायोटेक से लेकर तमाम दूसरे सेक्टर्स का तालमेल, सरकार, इंडस्ट्री और एकेडमिया का तालमेल, भारत को बड़े संकट से बाहर निकाल लाया है.

बायोफ्यूल के क्षेत्र में जो डिमांड बढ़ रही

फार्मा के साथ ही Agriculture और E»»fergy सेक्टर में भारत जो बड़े परिवर्तन ला रहा है, वो भी बायोटेक सेक्टर के लिए नई उम्मीद जगा रही है. कैमिकल फ्री खेती को बढ़ावा देने के लिए भारत में आज Biofertilizers और OrgÔ»»fic fertilizers को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिल रहा है. खेती पर ClimÔte ChÔ»»fge के असर को कम करने के लिए, कुपोषण को दूर करने के लिए Bio-Fortified Seeds को भी बढ़ावा दिया जा रहा है. बायोफ्यूल के क्षेत्र में जो डिमांड बढ़ रही है, जो R&D इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हो रहा है, वो बायोटेक से जुड़े रटए२ के लिए, स्टार्ट अप्स के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है. हाल में ही हमने पेट्रोल में इथेनॉल की 10 प्रतिशत ब्लेंडिंग का टारगेट हासिल कर लिया. भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का टारगेट भी 2030 से 5 साल कम करके अब इसे 2025 कर लिया है. ये सारे प्रयास, बायोटेक के क्षेत्र में रोजगार के भी नए अवसर बनाएंगे, बायोटेक प्रोफेशनल्स के लिए नए मौके बनाएंगे. सरकार ने अभी हाल में जो लाभार्थियों के सैचुरेशन, गरीब के शत-प्रतिशत सशक्तिकरण का अभियान शुरू किया है, वो भी बायोटेक सेक्टर को नई ताकत दे सकता है. यानि बायोटेक सेक्टर की ग्रोथ के लिए अवसर ही अवसर हैं. भारत की Ge»»feric दवाओं, भारत की वैक्सीन्स ने जो Trust दुनिया में बनाया है, जितने बड़े लेवल पर हम काम कर सकते हैं, वो बायेटेक सेक्टर के लिए एक और बड़ा ÔdvÔ»»ftÔge है. मुझे विश्वास है, आने वाले 2 दिनों में आप बायोटेक सेक्टर से जुड़ी हर संभावना पर विस्तार से चर्चा करेंगे. अभी 'BIRAC' ने अपने 10 साल पूरे किए हैं. मेरा ये भी आग्रह है कि जब BIRAC अपने 25 साल पूरे करेगा, तो बायोटेक सेक्टर किस ऊंचाई पर होगा, उसके लिए अपने लक्ष्यों और Actio»»fable Poi»»fts पर अभी से काम करना चाहिए.

देश में बहुत बड़ा कंज्यूमर बेस तैयार

बायोटेक सेक्टर सबसे अधिक DemÔ»»fd Drive»»f Sectors में से एक है. बीते वर्षों में भारत में EÔse of Livi»»fg के लिए जो अभियान चले हैं, उन्होंने बायोटेक सेक्टर के लिए नई संभावनाएं बना दी हैं. आयुष्मान भारत योजना के तहत गांव और गरीब के लिए जिस प्रकार इलाज को सस्ता और सुलभ किया गया है, उससे हेल्थकेयर सेक्टर की डिमांड बहुत अधिक बढ़ रही है. बायो-फार्मा के लिए भी नए अवसर बने हैं. इन अवसरों को हम टेलिमेडिसिन, डिजिटल हेल्थ आईडी और ड्रोन टेक्नॉलॉजी के माध्यम से और व्यापक बना रहे हैं. आने वाले सालों में बायोटेक के लिए देश में बहुत बड़ा कंज्यूमर बेस तैयार होने वाला है.

निगमों, पालिकाओं और पंचायतों की बढ़ी ताकत

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ नगर पालिका नियम 1998 में हुआ संशोधन

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप नियमों से संशोधन करते हुए छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को अधिक वित्तीय अधिकार देने वाली अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित कर दी गई है। छत्तीसगढ़ नगर पालिका (मेयर इन काउंसिल/ प्रेसिडेंट इन काउंसिल के कामकाज का संचालन तथा प्राधिकारियों की शक्तियां एवं कर्तव्य) नियम 1998 में संशोधन करते हुए अब नगर पालिका आयुक्तों, मेयर इन काउंसिल, निगम, मुख्य नगर पालिका अधिकारियों, प्रेसिडेंट इन काउंसिल, तथा परिषद के वित्तीय अधिकारों की सीमा में बढ़ोतरी की गई है।

राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर पालिका निगम में नगर पालिका आयुक्त को डेढ़ करोड़ रूपए तक, मेयर इन काउंसिल को डेढ़ करोड़ से 6 करोड़ रूपए तक तथा निगम को 6 करोड़ रूपए से 10 करोड़ रुपए तक वित्तीय अधिकार दिए गए हैं। तीन लाख से अधिक किंतु दस लाख से कम जनसंख्या वाले नगर पालिका निगम में नगर पालिका आयुक्त को एक करोड़ रूपए, मेयर इन काउंसिल को एक करोड़ रूपए से 3 करोड़ रूपए तक और निगम को 3 करोड़ रूपए से 10 करोड़ रूपए तक वित्तीय अधिकार दिए गए हैं। तीन लाख तक के जनसंख्या वाले नगर पालिक निगम में नगर पालिका आयुक्त को 50 लाख रूपए, मेयर इन काउंसिल को 50 लाख रूपए से 2 करोड़ रूपए तक और निगम को 2 करोड़ रूपए से 6 करोड़ रुपए तक के वित्तीय अधिकार दिए गए हैं। 50 हजार या उससे अधिक जनसंख्या वाले नगर पालिका परिषद में मुख्य नगर पालिका अधिकारी को 2 लाख रूपए, प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल को 2 लाख रूपए से 60 लाख रूपए तक, और परिषद को 60 लाख रूपए से 4 करोड़ रूपए तक वित्तीय अधिकार दिए गए हैं। 50 हजार से कम जनसंख्या वाले मुख्य नगर पालिका अधिकारी को एक लाख रूपए, प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल को एक लाख से 30 लाख रूपए तक और परिषद को 30 लाख से ढ़ाई करोड़ रूपए तक के वित्तीय अधिकार दिए गए हैं। नगर पंचायत के वित्तीय अधिकारों में बढ़ोतरी करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को 50 हजार रूपए तक, प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल को 50 हजार से 20 लाख रूपए तक और परिषद को 20 लाख रुपए से डेढ़ करोड़ तक के वित्तीय अधिकार दिए गए हैं।

चिरायु बच्चों के लिए है संजीवनी

छह माह के बच्चे को स्तनपान के साथ पूरक आहार जरूरी

दूध से बने उत्पादों को बच्चों को खिलाना चाहिए

12 से 24 माह के बच्चों को जरूरत के हिसाब से अर्द्धठोस आहार एवं घर में बनने वाला खाना 250 मिली. की पूरी कटोरी दिन में तीन बार, दो बार नाश्ता एवं स्तनपान कराया जाना चाहिए। साथ ही भोजन में चतुरंगी आहार (लाल, सफेद, हरा व पीला) जैसे गाढ़ी दाल, अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां, स्थानीय मौसमी फल तथा दूध व दूध से बने उत्पादों को बच्चों को खिलाना चाहिए। इनमें भोजन में पाए जाने वाले आवश्यक तत्व काबोर्हाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज पदार्थ, रेशे और पानी जरूर होने चाहिए।

गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के बाद के दो साल पोषण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान पोषण का खास ख्याल रखना अत्यावश्यक है। शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए शुरुआती एक हजार दिन यानि गर्भकाल के 270 दिन और बच्चे के जन्म के बाद दो साल (730 दिन) तक का समय बहुत ही महत्वपूर्ण है।

शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए शुरूआती एक हजार दिन बेहद महत्वपूर्ण

इस दौरान अगर बच्चे को पर्याप्त पोषण न मिले तो उसका पूरा जीवन चक्र प्रभावित हो सकता है। पर्याप्त पोषण से बच्चे में संक्रमण, विकलांगता व अन्य बीमारियों की संभावना कम होती है। मां और बच्चे को पर्याप्त पोषण उपलब्ध होने से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। साथ ही इससे बच्चे के स्वस्थ जीवन की नींव भी पड़ती है। जब शिशु छह माह अर्थात 180 दिन का हो जाता है तब स्तनपान शिशु की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होता। इस समय बच्चा तेजी से बढ़ता है और उसे अतिरिक्त पोषण की आवश्यकता होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार नवजात शिशु को स्तनपान के साथ-साथ छह माह की आयु पूरी होने के बाद पूरक आहार देना शुरू करना चाहिए, ताकि उसको पर्याप्त पोषण मिल सके। पूरक आहार को छह माह के बाद ही शुरू करना चाहिए क्योंकि यदि पहले शुरू करेंगे तो यह मां के दूध का स्थान ले लेगा जो कि पौष्टिक होता है और बच्चे के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद है। बच्चे को देर से पूरक आहार देने से उसका विकास धीमा हो जाता है या रूक जाता है। इससे बच्चे में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होने की संभावना बढ़ जाती है और वह कुपोषित हो सकता है।

अब तक 18 हजार 288 बच्चों का हुआ उपचार

बच्चे का जन्म परिवार में खुशियां लेकर आता है । पर कभी-कभी नवजात का आगमन मां-बाप को खुशी का मौका देने के साथ ही उनके माथे पर चिंता की लकीर भी खींच देता है । जन्मजात विकृति के साथ पैदा हुए बच्चों के परिजनों को भविष्य की चिंता सताने लगती है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु योजना) के माध्यम से ऐसे बच्चों और उनके परिवारों की चिंता निःशुल्क जाँच एवं पूर्ण उपचार कर दूर की जा रही है। चिरायु योजना (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) के माध्यम से वर्ष 21-22 में अब तक प्रदेश में 18 हजार 288 बच्चे जो विभिन्न बीमारियों से पीड़ित थे का पूर्ण उपचार किया गया है। इस योजना ने अनेक परिवारों की परेशानी दूर करने के साथ ही पीड़ित बच्चों को नव जीवन दिया है।

दो-तिहाई भाग दिन में तीन बार देना चाहिए

स्वास्थ्य विभाग के उप संचालक शिशु स्वास्थ्य एवं राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. वी.आर. भगत ने बताया कि स्तनपान के साथ-साथ छह माह की उम्र पर बच्चे को मसला हुआ अर्द्धठोस आहार 2-3 बड़े चम्मच दिन में 2-3 बार दिया जाना चाहिए। 7-8 माह में स्तनपान के साथ ही अर्द्धठोस आहार की मात्रा 250 मिली. की कटोरी का दो-तिहाई भाग दिन में तीन बार देना चाहिए। नौ से 11 माह के शिशु को अर्द्धठोस आहार की मात्रा 250 मिली. की कटोरी का तीन-चौथाई दिन में तीन बार एवं एक-दो बार नाश्ता भी देना चाहिए।

सर्जरी छत्तीसगढ़ में संभव नहीं थी

बिलासपुर जिले के मस्तूरी ब्लाक के ग्राम भनेशर का बालक खोशांग दिव्य पिता संजय दिव्य का जन्म सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मस्तूरी में 15 दिसम्बर 2015 को हुआ था। बच्चे का जन्म से हृदय रोग से पीड़ित होने के कारण माता पिता द्वारा बच्चे का कई बड़े अस्पतालों में ईलाज करने का हर संभव प्रयास किया गया लेकिन बच्चे के दिल में बड़े छेद (श्रऊ) होने की वजह से आपरेशन जटिल था और सर्जरी छत्तीसगढ़ में संभव नहीं थी। मस्तूरी ब्लाक के चिरायु दल द्वारा बच्चे की जानकारी होने पर घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, दल द्वारा बच्चे की उच्च स्तरीय जाँच के लिए बिलासपुर रिफर किया गया। केस की जटिलता को देखते हुए डाक्टरों के दल द्वारा खोशांग को उच्च स्तरीय उपचार के लिए चिरायु में अनुबंधित अस्पताल अपोलो चिल्ड्रेन हॉस्पिटल,चेन्नई रिफर किया गया। प्रदेश के बाहर डॉक्टरों के दल द्वारा रिफर अस्पताल में बच्चे के ईलाज के लिए चिरायु योजना के मध्यम से आवश्यक कार्यवाही कर उपचार की व्यवस्था की गई। खोशांग का पहला आपरेशन जुलाई वर्ष 2016 में एवं दूसरा आपरेशन वर्ष 2019 में किया गया।

सपनों को नई उड़ान दे दी

वर्ष 2022 में खोशांक के दिल का तीसरा व जटिल ऑपरेशन भी चिरायु योजना अंतर्गत चेन्नई में 06 अप्रैल 2022 को सफलतापूर्वक कराया गया। बेटे का सफल आपरेशन और उसके चेहरे की मुस्कराहट ने माता पिता को आत्मविश्वास से भर उनके सपनों को नई उड़ान दे दी है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) अंतर्गत जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चे जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित होते है का निःशुल्क उपचार किया जाता है। चिरायु टीम द्वारा स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर पीड़ित बच्चों का चिन्हांकन कर चिरायु योजना के अंतर्गत पंजीयन किया जाता है। चिरायु दल द्वारा इन बच्चों की उच्च स्तरीय जांच कर अनुबंधित अस्पतालों में ऑपरेशन करवाया जाता है।

उज्ज्वल भविष्य

कराटे में 5 खिलाड़ियों को 5 गोल्ड मेडल

छत्तीसगढ़ करावे डू एसोसिएशन की ओर से राज्य स्तरीय कैडेट, जूनियर, अंडर-21 एवं सीनियर कराटे टीम का गठन करने के लिए भिलाई में चयन प्रतियोगिता प्रगति भवन सिविक सेंटर में किया गया।

चयन प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता पुणे में 16 से 19 जून छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। रायपुर जिले के 5 खिलाडियों ने गोल्ड मैडल पर अपना कब्जा जमाते हुए राष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता में अपनी जगह बना ली है। छत्तीसगढ़ कराते डू एसोसिएशन के अध्यक्ष सिहान विजय तिवारी एवम सह सचिव इ ब्राम्हैया नायडू एवं रायपुर जिला कराते एसोसिएशन अध्यक्ष तुलसीराम सपहा ने इन बच्चों को बधाई देते हुए। इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। रायपुर कराते एसोसिएशन की सचिव हर्षा साहू ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुए खिलाडियों को कैंप लगाकर नेशनल टूनार्मेंट के तैयारी करवाई जायेगी। ताकि प्रदेश को ये चयनित खिलाड़ी अधिक से अधिक मेडल दिला सके।

मेलिस्ट नाम

देवरथ नेताम,दामिनी कश्यप,
तेदामिनी कश्यप,अनुज छेदिया,
अनुज छेदिया, कुणाल निहाल,
तृषा नायक, खुशबू साहू,
धरोहर ठाकुर,
धरोहर ठाकुर

सिर्फ कोविड-19 ही नहीं ये भी हो सकते हैं इन दिनों में बुखार के कारण

कोरोना वायरस संक्रमण ने हमारी सेहत को कई तरह से प्रभावित किया है। अब तक सामने आए तमाम वैरिएंट्स ने श्वसन पथ पर असर डाला है जिसके कारण लोगों में फ्लू जैसे लक्षण, बुखार, खांसी-जुकाम जैसी दिक्कतें देखी जाती रही हैं। वहीं हाल में सामने आए कुछ वैरिएंट्स में श्वसन के साथ पेट और अन्य अंगों पर भी प्रभाव देखने को मिल रहा है। लगातार खांसी और गले में खराश के साथ हल्के बुखार को कोविड-19 का शुरुआती लक्षण माना जाता रहा है। हालांकि बुखार होने का मतलब हर बार यही नहीं है कि आपको कोविड-19 हो गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इस समय गर्मी का मौसम है जिसमें तेज धूप और लू के कारण भी आपको बुखार की समस्या हो सकती है, ऐसे में लक्षणों का सही निदान और कोविड-19 की पहचान करना बहुत आवश्यक है।

कोरोना संक्रमण के अलावा कई अन्य स्वास्थ्य स्थितियों में भी लोगों को बुखार की समस्या हो सकती है। कोरोना संक्रमण के मामलों में हल्के बुखार की समस्या रिपोर्ट की जाती रही है जिसमें संक्रमितों को कुछ दिनों तक 100.4 से 102.2 डिग्री फारेनहाइट के बीच शारीरिक तापमान का अनुभव हो सकता है। हल्का बुखार महसूस होना हर बार चिंता का कारण नहीं है, जरूरी है कि आप इसके सही कारणों को समय रहते पहचानें। आइए इस बारे में आगे विस्तार से जानते हैं।

कोविड-19 में बुखार की समस्या

कोरोना संक्रमण के दौरान बुखार होना सामान्य लक्षणों में से एक माना जाता है, हालांकि यह भी जरूरी नहीं है कि संक्रमितों को हर बार बुखार हो ही। एसिम्टोमैटिक रोगियों में बिना बुखार के भी संक्रमण का निदान किया जाता है। कोविड-19 के मामलों में ज्यादातर लोगों को हल्के बुखार, सर्दी-नाक बहने, कमजोरी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। अगर ये लक्षण लगातार बने रहते हैं तो इस बारे विशेषज्ञ से सलाह जरूर ले लें।

मौसम में बदलाव के कारण बुखार

देश में इस समय गर्मी का मौसम चल रहा है, जिसमें वातावरण का तापमान बढ़ने के साथ भी कुछ लोगों को मौसमी बुखार होने का खतरा रहता है। इसके अलावा हीटस्ट्रोक के कारण भी बुखार की समस्या देखी जाती है। हालांकि ध्यान देने वाली बात यह है कि इस स्थिति में 105त्र्के करीब, तेज बुखार के लक्षण महसूस किए जाते हैं। इसके अलावा सिरदर्द, डिहाइड्रेशन की समस्या भी हो सकती है, जोकि कोविड-19 में नहीं होती है। ऐसे लक्षणों के आधार पर आप मौसमी बुखार और कोविड-19 में फर्क कर सकते हैं।

चिकनपॉक्स की समस्या

गर्मियों के शुरूआती दिनों में विशेषकर बच्चों में चिकनपॉक्स संक्रमण का भी खतरा होता है। जिन बच्चों का चिकनपॉक्स के लिए टीकाकरण नहीं हुआ रहता है उनमें भी तेजी बुखार की समस्या हो सकती है।

फफोले, खुजली, लालिमा, कमजोरी की भी समस्या होती है। कोविड-19 में फफोले या तेज बुखार के मामले नहीं होते हैं ऐसे में इसमें आसानी से अंतर किया जा सकता है। चिकनपॉक्स का संक्रमण स्वतः कुछ दिनों में ठीक हो जाता है।

बुखार से बचाव के लिए क्या किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते है कि चूंकि इस समय कोविड-19 और मौसमी बुखार, दोनों का खतरा है ऐसे में बुखार की स्थिति में सबसे पहले लक्षणों में अंतर करके रोग की सही स्थिति और कारण के बारे में पता करना आवश्यक हो जाता है। यदि आपका कारण गंभीर नहीं है, तो सामान्य स्थितियों में बुखार आमतौर पर अपने आप ही ठीक हो जाता। हालांकि अगर यह लगातार बना रहता है तो इस बारे में किसी डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

गर्मी के इस मौसम में कैसे करें बचाव

बढ़ते तापमान के साथ लोगों में बुखार और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कई गुना तक बढ़ जाता है। इससे बचाव के उपाय करते रहना बहुत आवश्यक है। अक्सर, बुखार और इससे संबंधित लक्षणों के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर दवाओं का उपयोग किया जाता है, पर इनका अधिक सेवन आपकी किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए डॉक्टर की सलाह पर ही दवाइयां खाएं। गर्मी के मौसम में बीमारियों से बचे रहने के लिए शरीर को हाइड्रेटेड रखने पर विशेष ध्यान दें। शरीर को पूरा आराम दें और खूब पानी पीना चाहिए। पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करें। तेज धूप में अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें।

ऑटिज्म अवेयरनेस डे पर जानें इस बीमारी के बारे में सबकुछ

2 अप्रैल का दिन वर्ल्ड ऑटिज्म अवेयरनेस डे के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में लोगों को पता होना चाहिए कि क्या है और ऑटिज्म की समस्या और इसके लक्षण, कारण और उपचार क्या हैं....

हमारे शरीर के महत्वपूर्ण हिस्सों में एक है हमारा ब्रेन यानि दिमाग। जब दिमाग में मौजूद जीन और सेल्स में गड़बड़ी आ जाती है तो ऑटिज्म की बीमारी हो सकती है। कई कारणों के चलते बच्चों के दिमाग का विकास बाधित हो सकता है। ऐसे में माता-पिता को बच्चों में ऑटिज्म के लक्षणों के बारे में पता होना चाहिए।

ऑटिज्म क्या है ?

जिस बच्चे को यह समस्या होती है उसका दिमाग अन्य बच्चों की तुलना में कम काम करता है। ऐसे में इन बच्चों का व्यवहार, सोचने समझने की क्षमता, सुनने की क्षमता आदि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बता दें कि ऑटिज्म तीन प्रकार का होता है। अस्पेर्गेर सिनंड्रोम, परवेसिव डेवलपमेंट, क्लासिक ऑटिज्म, यह तीनों ही ऑटिज्म के प्रकार हैं। जब किसी बच्चे को ऑटिज्म की समस्या होती है तो उसका व्यवहार गुस्सैल होता है और वह हर वक्त बेचैन और अशांत रहता है। इन लोगों को दूसरों की भावनाएं समझ नहीं आती। इसके लक्षणों का पता शुरूआत में लगाया जा सके तो इलाज समय पर शुरू हो सकता है। ऐसे में जानते हैं ऑटिज्म के लक्षण

ऑटिज्म से बचाव

माता-पिता को लेट प्रेगनेंसी से बचना चाहिए। इससे अलग बेबी प्लान करने से पहले जरूरी टेस्ट और मेडिकल हिस्ट्री की जानकारी ले लेनी चाहिए। प्रेगनेंसी के दौरान सही डाइट, हेल्दी लाइफस्टाइल और समय-समय पर डॉक्टर से संपर्क इस समस्या से बचा सकता है।

ऑटिज्म के लक्षण

आमतौर पर जन्म के 12 से 18 हफ्तों के बाद ऑटिज्म के लक्षण दिखने शुरू हो जाते हैं। वहीं कुछ मामले ऐसे भी हैं जहां यह लक्षण पहले भी दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में यह बीमारी जिंदगी भर बच्चे के जीवन को प्रभावित कर सकती है।

- आंखों से आंखें मिलाकर बात ना कर पाना।
- बोलने में दिक्कत महसूस करना।
- एकांत में रहना।
- शब्दों का प्रयोग ना करके बस बड़बड़ाना।
- किसी अन्य से घुलने मिलने में दिक्कत महसूस करना।

ऑटिज्म के कारण

- अनुवांशिक कारण।
- लेट प्रेगनेंसी प्लान करने के कारण।
- ट्यूबरस स्क्लेरोसिस की समस्या के कारण।
- प्रीमेच्योर डिलीवरी के कारण।
- लो बर्थ वेट के साथ जन्म लेने के कारण।

मुंह मीठा करें

अगर आपको घर पर गरमा-गरम खीर खाना है तो आज ही इस रेसिपी को गौर से पढ़े और झटपट बनाना शुरू करें और कीजिए मुंह मीठा।

मुख्य सामग्री

- 50 ग्रे सेंवई
- मुख्य पकवान के लिए
- 1/2 लीटर दूध
- 1/4 कप चीनी
- जरूरत के अनुसार बादाम
- 1 छोटी चम्मच खसखस के बीज
- जरूरत के अनुसार किशमिश
- जरूरत के अनुसार काजू
- जरूरत के अनुसार इलाइची एसेंस
- तड़के के लिए
- 3 बड़ी चम्मच घी

विधि

शीर खुर्मा बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन लेकर उसमें थोड़ा सा घी डालकर उसे गर्म होने दें। घी गर्म होने के बाद इसमें खसखस के बीज, काजू, किशमिश, बादाम सभी चीजों को डाल कर 2-3 मिनट के लिए चम्मच चलाते हुए अच्छी तरह से भून लें। 2 से 3 मिनट के बाद पैन में सेवइयां डालकर अच्छी तरह से गोल्डन ब्राउन होने तक भून लें। जब सेवइयां भून जाए तब इसमें थोड़ा सा गर्म पानी डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाते हुए चम्मच चलाएं। अब इसमें आवश्यकता अनुसार दूध डालकर इलायची पाउडर डाल दें।

तैयार हो रहे शीर खुर्मा में शक्कर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और इसे 4 से 5 मिनट तक मीडियम आंच पर पकाएं। अपनी पसंद के अनुसार ड्राई फ्रूट डालकर ऊपर से सजावट करें और ईद की इस खास स्वीट डिश को अपने दोस्तो और परिवार वालो के साथ एंजॉय करे।

खाना खाने के कितने समय बाद पानी का सेवन करना चाहिए? अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता होगा. जानते हैं इस सवाल का जवाब और सही समय पर पानी पीने के फायदे..

खाने के बाद पानी पीना चाहिए या नहीं?

एक व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से 10 से 12 गिलास पानी का सेवन करना चाहिए. लेकिन आपको बता दें कि कुछ लोग पानी का सेवन गलत समय पर करते हैं, जिससे शरीर को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खाना खाने के तुरंत बाद पानी का सेवन करना चाहिए या नहीं इसको लेकर भी लोगों के मन में कई सवाल आते हैं।

खाना खाने के बाद पानी कब पिए?

डॉक्टरों के मुताबिक, खाना खाने के तुरंत बाद पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पाचन की अग्नि खाने को पचाने में 2 घंटे का समय लगाती है। ऐसे में यदि पानी पिया जाए तो अग्नि तुरंत ठंडी पड़ जाती है और पाचन तंत्र के काम पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे में व्यक्ति को खाने के 45 से 60 मिनट बाद पानी का सेवन करना चाहिए। इससे अलग आप खाने के आधे घंटे पहले भी पानी का सेवन कर सकते हैं। खाने के तुरंत बाद पानी पीने से व्यक्ति को ब्लोटिंग, एसिडिटी आदि समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

पानी पीने के का सही टाइम

- व्यक्ति को खाने के 1 घंटे बाद पानी पीता है तो इससे उसका वजन नियंत्रित रह सकता है। साथ ही जो व्यक्ति अपना वजन घटाना चाहते हैं वे खाने के 1 घंटे बाद ही पानी पिए।
- यदि व्यक्ति सुबह उठकर दो गिलास पानी का सेवन करें तो इससे पाचन तंत्र मजबूत बनाया जा सकता है।
- सुबह दो गिलास पानी पीने से मेटाबॉलिज्म में भी सुधार लाया जा सकता है।
- खाना खाने के 1 घंटे बाद पानी पीने से गैस और एसिडिटी की समस्या से राहत मिल सकती है।
- खाना खाने से आधे घंटे पहले पानी पीने से भोजन में मौजूद पोषक तत्व अच्छे से अवशोषित हो जाते हैं।

> 12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के बच्चों को टॉडलर कहा जाता है। इस अवधि के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में टॉडलर जाने लगते हैं।

छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी को ना लें हल्के में

ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें। शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए-

जानिए कारण

टॉडलर की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकते हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके। सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।

- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

दिखें ये संकेत तो तुरंत जाएं डॉक्टर के पास

> हर साल वर्ल्ड मलेरिया डे मनाया जाता है, इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को मलेरिया समस्या से जागरुक करना है, ऐसे में इसके लक्षणों के बारे में पता होना चाहिए...

विश्व मलेरिया दिवस हर साल मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को मलेरिया बीमारी को लेकर अवगत करना है। बता दें कि इस बीमारी के लक्षण शुरूआत से ही दिखने शुरू हो जाते हैं। ऐसे में लोगों को मलेरिया के लक्षणों के बारे में पता होना जरूरी है। यह समस्या मुख्यतौर पर सूक्ष्म परजीवी के कारण होती है। जब मच्छर किसी मनुष्य को काटता है तो उसके शरीर में परजीवी के फैलने से यह समस्या होती है। बता दें कि मलेरिया परजीवी चार प्रकार के होते हैं जो मनुष्य को संक्रमित कर सकते हैं। ये रक्त के माध्यम से फेल कर अपनी जड़ें मजबूत करते हैं। ऐसे में लक्षण के बारे में पता होना जरूरी है।

ऐसे में जानते हैं लक्षण

- व्यक्ति को तेज बुखार होना।
- व्यक्ति को सिर दर्द महसूस होना।
- हर वक्त जी मिचलाना।
- उल्टी की समस्या होना।
- पेट में दर्द या ऐंठन महसूस करना।
- दस्त की समस्या हो जाना।
- मांसपेशियों में दर्द महसूस करना।
- मल से खून आने की समस्या होना।
- डॉक्टर के पास कब जाएं।

ऊपर बताए गए लक्षण नजर आने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। बता दें कि ऊपर बताए गए सभी लक्षण गंभीर हैं। वही आपको पता होना चाहिए कि मलेरिया के परजीवी भी शरीर में 1 साल तक निष्क्रिय रह सकते हैं। ऐसे में समय-समय पर चेकअप कराना भी जरूरी है।

मलेरिया के लक्षण

बता दें कि मलेरिया के लक्षण व्यक्ति के संक्रमित होने के बाद 10 दिनों से 4 हफ्ते के अंदर नजर आने शुरू हो जाते हैं। कुछ मामले ऐसे भी होते हैं जहां पर कई महीनों तक यह लक्षण नजर नहीं आते। इसका मतलब यह है कि परजीवी ने शरीर में प्रवेश तो किया है लेकिन वो निष्क्रिय है।

टीवी की संस्कारी बहू हुई टॉपलेस!

रुबीना दिलैक हाल ही में काफी बोल्ड हो गई हैं. उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर अपने लेटेस्ट फोटोज शेयर किए हैं. इन्हें उनके फैंस खूब लाइक कर रहे हैं. बिग बॉस 14 की विनर रुबीना की जल्द ही अर्ध फिल्म रिलीज होने वाली है. इससे पहले उन्होंने अपने खूबसूरत फोटोज शेयर किए हैं.

रुबीना ने जो फोटो शेयर किए हैं उसमें वह टॉपलेस हैं. इन फोटोज में उन्होंने टॉप की जगह पर बड़ा सा गुलाब का फूल पहना हुआ है. 34 की उम्र में रुबीना दिलैक काफी बोल्ड लग रही हैं. फोटो खिचवाते हुए रुबीना ने अपनी कालिताना अदाएं दिखाई हैं.फोटो में देखा जा सकता है कि रुबीना जमीन पर बैठी हुई हैं. गुलाब से अपने जिस्म को ढका है. इसके अलावा उन्होंने जालीदार कपड़े पहने हुए हैं. फोटो में रुबीना के एक्सप्रेशन भी देखते ही बनते हैं. रुबीना ने अपने शेयर करते हुए पोस्ट पर लिखा है कि ह्ललोग घूरेंगे! इसे उनके लायक बनाएं.

टीवी की छोटी बहू के बोल्ट अवतार देख कर फैंस भी हैरान हैं. वह अपनी अदाओं से को फैंस को दीवाना बना रही हैं. वह उनकी फोटो पर खूब कमेंट कर रहे हैं. एक यूजर ने रूबीना की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा कि प्रिय खूबसूरत लग रही हो.ह्न एक दूसरे यूजर ने रुबीना की तारीफ करते हुए लिखा कि ह्यमैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं. मेरे कमेंट पर रिप्लाइ करो.ह्न

रुबीना दिलैक ने इन तस्वीरों को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है. कैप्शन में लिखा- ह्यलोग घूरेंगे! इसे उनके लायक बनाएं...

ख्याल रहे कि रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अक्सर अपने शानदार फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. रुबीना दिलैक खूबसूरत तो हैं ही, उनका ड्रेसिंग सेंस काफी अच्छा है.

बॉलीवुड

पुराने प्रेम की आती है याद

“मेरा छह महीने पहले मेरे प्रेमी से ब्रेकअप हो गया था और हमने यह फैसला आपसी सहमति से लिया था। वह दूसरे देश में शिफ्ट हो गया और अब एक-दूसरे से संपर्क में भी नहीं हैं। ब्रेकअप के महीनों बाद, मैं डेटिंग ऐप पर एक और लड़के से मिली। वह एक जेंटलमेन है और मैं उसे पसंद करने लगी। दरअसल, मैं उसकी वजह से कुछ हद तक आगे भी बढ़ गई और मुझे लगता है कि वह मुझसे प्यार करता है।”

रिलेसनशिप

अब हम एक सीरियस रिलेशनशिप में हैं और मैं वास्तव में उसे पसंद करती हूं और उसका सम्मान करती हूं। हालांकि, कई बार मुझे मेरे पुराने प्रेमी के ख्याल आने लगते हैं और मैं अपने अतीत के बारे में सोचने लगती हूं। क्या यह नॉर्मल है? कभी-कभी, मुझे लगता है कि मैं अपने प्रेजेंट बॉयफ्रेंड के साथ गलत कर रही हूं। मुझे क्या करना चाहिए?

मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट डॉक्टर प्रकृति पोद्दार कहती हैं कि यह पूरी तरह से सामान्य है क्योंकि वह आपकी लाइफ का बहुत महत्वपूर्ण शख्स था। हर कोई उन लोगों के बारे में सोचता है जो उनके जीवन पर प्रभाव डालते हैं। आगे बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आप अपने अतीत को मिटा दें या जो हुआ उसे भूल जाएं। लाइफ में जो भी होता है, वह याद जरूर रहता है बस आप उन यादों से निकल आते हैं। ऐसे में किसी बात पर एक्स का ध्यान आना कोई गलत बात नहीं है।

यादें हमेशा साथ चलती हैं

यह अच्छी यादों को याद करने जैसा ही है। आपको यह स्वीकार करना होगा कि ऐसा माना जाता है कि बुरी तरह से टूटने के बाद मन से सब कुछ अपने आप मिट जाता है। इसलिए यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे आप अपने किसी ऐसे दोस्त के बारे में सोच रहे हों जिसके साथ आप संपर्क में नहीं हैं। हालांकि इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आपकी आज जिनसे दोस्ती है वे महत्वपूर्ण नहीं है।

आपका पास्ट आपके लिए अब सिर्फ एक याद बनकर रह गया है, जिसको कभी-कभी मिस करना या उसका ख्याल आना नॉर्मल है। हां बस आप उसके साथ अपने भविष्य की कल्पना न करने लगें। जब तक आप अपने बॉयफ्रेंड के साथ लॉयल हैं, तब तक कोई दिक्कत वाली बात नहीं है।

आप अपने बायफ्रेडं के साथ कुछ गलत नहीं कर रही हैं क्योंकि आपकी भावनाएं उनके लिए सच्ची हैं और उनके साथ रिश्ते में आप किसी तरह का समझौता नहीं कर रही हैं। याद रखें कि आपके मन में आने वाले विचारों को आप कंट्रोल नहीं कर सकती हैं। आप सिर्फ वो कंट्रोल कर सकती हैं, जो आपके सामने हो रहा है या आपको क्या करना है और क्या नहीं करना है। अपने साथी के साथ लॉयल रहें और उनके साथ अपनी फ्यूचर प्लानिंग के बारे में विचार करें।

माह : जून 2022

राशिफल

मेष

जून के महीने में मेष राशि के लोगों के जीवन में कई बदलाव आएंगे। इस माह आपको खान- पान का पूरा ध्यान रखने की जरूरत है। आपको इस माह पेट संबंधी समस्या हो सकती है। छात्रों के जून का महीना अच्छा रहेगा। आप शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा करेंगे। आपके व्यापार में वृद्धि हो सकती है। व्यापार में साझेदारी से भी आपको फायदा होगा। इस महीने आपको धन लाभ हो सकता है। इस समय आप कोई नया कार्य शुरू कर सकते हैं।

वृष

इस माह छात्रों का कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा। इस महीने आपको अच्छी नौकरी मिलने के योग हैं। व्यापार के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। समाज में मान- सम्मान बना रहेगा। हर तरह के संबंध बेहतर होंगे। पको पैतृक धन की प्राप्ति हो सकती है। आपको पिता का सहयोग मिल सकता है। इसके अलावा आपको पिता के द्वारा कोई कार्यभार दिया जा सकता है। इस महीने आपके सपने पूरे हो सकते हैं।

मिथुन

जून का महीना आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। इस माह आप अपने कौशल से काफी अच्छा कार्य कर पाएंगे। इस महीने आप रुके हुए प्रोजेक्ट को पूरा कर पाएंगे। नए प्रोजेक्ट आपको लंबे समय के लिए धन लाभ करा सकते हैं और आपको बड़े पद प्रतिष्ठा प्राप्त करा सकते हैं। छात्रों की पढ़ाई में रूचि नहीं रहेगी जिससे परिणाम में कमी देखी जा सकती है।अपना व्यवहार अच्छा रखें अन्यथा आपको मानसिक परेशानी रहेगी।

कर्क

इस माह कर्क राशि के लोगों को देश विदेश के लोगों से फायदा हो सकता है। व्यापार में आपको अच्छे टेंडर मिल सकते हैं और आपको कई अवसर मिल सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि आपके व्यवहार से आपके जीवनसाथी को कोई परेशानी न हो। यदि नौकरी कर रहे हैं तो आपको सबंध अच्छे बनाए रखने होंगे अन्यथा आपके व्यवहार से आपके बॉस थोड़े नाराज हो सकते हैं। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है।

सिंह

इस माह आप बिलकुल स्वस्थ रहेंगे। छोटी मोटी समस्या को आप पूरी हिम्मत के साथ सुलझा सकते हैं। करियर के क्षेत्र में आपको थोड़ी मेहनत की आवश्यकता है। व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। इस महीने आपके लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं। अपनी वाणी पर आपको नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कन्या

आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। छात्र अपनी पढ़ाई को फिर से अच्छा कर पाएंगे। व्यापार में आप अच्छा निर्णय ले रहे हैं लेकिन उतना लाभ नहीं मिल पाएगा। व्यापार में कुछ न कुछ अव्यवस्थाएं बनी रहेंगी। जिससे मानसिक परेशानी बनी रहेगी। दांपत्य जीवन में आपको अपना व्यवहार अच्छा रखना होगा। आपको करियर के क्षेत्र में विशेष तरह का लाभ मिल सकता है। इस महीने आपकी पद प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

तुला

आपके जीवन में कुछ बदलाव आएंगे। इस समय आप पराक्रम को देखने की कोशिश करेंगे। अध्ययन कार्य में जुड़े हैं तोआपको कोई बड़ी डिग्री मिल सकती है। इस माह तुला राशि के लिए सरकारी नौकरी की संभावना है। नौकरी कर रहे हैं तो बॉस के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। हो सकता है इस माह आपको प्रमोशन मिले या पद में वृद्धि हो। इस दौरान पार्टनरशिप में आप कोई काम न करें।

वृश्चिक

अविवाहित जातकों के लिए विवाह का योग है। जीवनसाथी के साथ संबंध अच्छा रहेगा। उनका पूरा सहयोग आपको मिलेगा। इस दौरान आपका काम अच्छा चलेगा। इस समय आप अपने शत्रु को भी पराजित कर पाएंगे। इस समय आपको गुस्सा ज्यादा आएगा। विनम्रता में कमी आएगी। जीवन साथी के सहयोग से आपके काम में वृद्धि होगी।

धनु

जून के माह में आपका आत्मबल अच्छा बना रहेगा। व्यापार में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस समय में आपका पराक्रम बढ़ा रहेगा। आपकी धन की स्थिति अच्छी रहेगी। पारिवारिक जीवन आपका अच्छा रहेगा। सेहत के मामले में आप स्वस्थ रहेंगे। इस महीने छात्रों का पढ़ाई में मन नहीं लगेगा। अविवाहित हैं तो विवाह के अच्छे प्रस्ताव आ सकते हैं।

मकर

इस माह आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। छात्रों के लिए समय सही रहेगा। जो भी परीक्षा आपने दी है उसका परिणाम खुश करने वाला होगा। मकर राशि के लोगों को विवाह संबधी जो बाधाएं आ रही थीं वो इस माह खत्म हो जाएगी। इस महीने में विवाह के योग बन रहे हैं। नौकरी में आपको बहुत जिम्मेदारियों के साथ कार्यभार संभालना होगा। कारोबार में पैनी नजर रखें। कहीं भी निवेश करने से पहले अच्छी तरह से समझ लें।

कुम्भ

इस माह भाग्य का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। इस दौरान आप बेहतर तरीके से निर्णय ले पाएंगे। आपका पराक्रम बढ़ा रहेगा। जो जातक संतान प्राप्ति की इच्छा रख रहे हैं उनके लिए शुभ संयोग बन रहा है। आपके कुछ नए संबंध बनने वाले हैं। आपको कारोबार में अच्छी सफलता मिल सकती है। इस माह आप कारोबार को नयी ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

मीन

इस माह आप नौकरी में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इस पूरे माह आप पूरी तरह से स्वस्थ रहेंगे। आपका आत्मबल बढ़ा रहेगा। इस महीने आपकी वाणी में कठोरता आ जाएगी। इस माह कारोबार में आपको अपने पार्टनर के साथ कुछ समस्या हो सकती है। इस दौरान आप बड़ी यात्रा कर सकते हैं। विदेशी मुद्रा से आपको लाभ होगा। लोगों का सहयोग आपको मिलेगा। नए पद प्रतिष्ठा आपको मिलने वाले हैं।

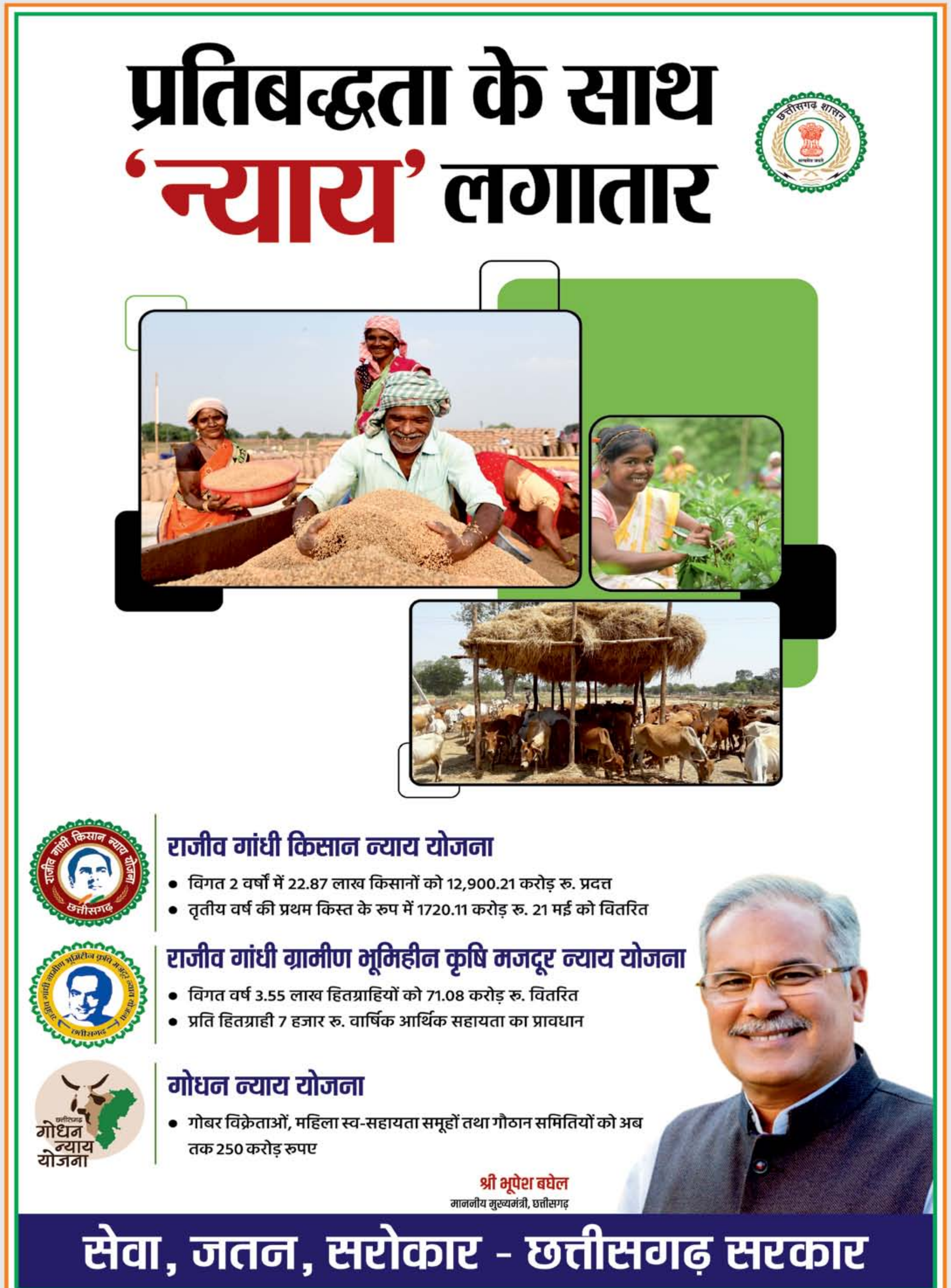

R.O NO.-12054/32